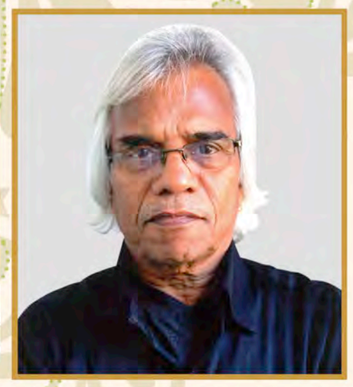

श्री भालू मोंढ़े
Shri Bhalu Mondhe



पद्म श्री
Padma Shri

श्री भालू मोंढ़े

श्री भालू मोंढ़े एक नामवर फोटोग्राफर, चित्रकार, मूर्तिकार तथा पर्यावरणीय गैर– सरकारी संगठन, 'द नेचर वालुंटिअर्स' इंदौर के अध्यक्ष हैं। आप भारत के एक ऐसे विरल कलाकार हैं, जो एक साथ चित्रकारी, फोटोग्राफी तथा मूर्तिकला का निष्पादन करते हैं। आपने कला और संस्कृति के क्षेत्र में चार दशक से भी अधिक का समय समर्पित करके इस क्षेत्र को समृद्ध किया है।

2. आपका जन्म 15 मार्च, 1941 को हुआ। आपने एक कलाकार एवं फोटोग्राफर के रूप में अपना औपचारिक कॅरिअॅर वर्ष 1970 में, पश्चिम जर्मनी के प्रख्यात डसेलडॉर्फ फाइन आर्ट एकेडेमी में त्रि–वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश लेकर शुरू किया। एक उच्च स्तरीय रचनात्मक कलाकार होने के नाते आपने आरंभिक पाठ जल्दी ही सीख लिए और यूरोप में आपकी कला को बेहद जरूरी प्रदर्शन मिला। आप अपनी रचनाधर्मिता में बहुत ही व्यक्तिपरक शैली अपनाते हैं।

3. आपकी विभिन्न कृतियों का संग्रह आपके सौन्दर्यपरक प्रयोगों का एक संपूर्ण सप्तक प्रदर्शित करता है। "कैमरा–चक्षु' दृष्टिकोण के प्रति बहुत अल्प सम्मान दर्शाते हुए आप, अपनी चित्रकारी और मूर्तिकला में अपने अवचेतन मस्तिष्क के संसार की रचना हेतु काल्पनिक क्रियाशीलता में निर्भीकतापूर्वक मग्न रहते हैं। आप असामान्य नतीजों की प्राप्ति के लिए गैर परंपरागत तकनीकों का इस्तेमाल करते हैं। विशेष रूप से, अपनी भिन्न रीति के माध्यम से, रंगों, रेखाओं और आकारों से आप एक नैसर्गिक, शक्तिशाली संप्रेषणीय संयोजन प्राप्त करते हैं। आपने भारत की शीर्ष कला–वीथियों के अलावा यूरोप और अमेरिका में अपनी कला प्रदर्शनियां आयोजित की हैं।

4. आप, कला एवं प्रकृति के गूढ़ रहस्यों के प्रखर चितेरे होने के साथ–साथ एक अथक पर्यावरणविद भी हैं। ऊँची पसंद की आंतरिक–सज्जा, बगीचे, भू–दृश्य निर्माण तथा संवेदनशीलता की सदाश्यता के साथ संगीत–समारोहों, कला–शिविरों तथा प्रदर्शनियों के आयोजनों में आपकी रूचियां आपको कला और संस्कृति के क्षेत्र में, एक विरल सर्वतोमुखी बनाती हैं।

5. आपको देश और विदेश में अनेक पुरस्कार एवं प्रशस्तियां प्राप्त हुईं। आपको वर्ष 2008 में कैलिफोर्निया लेजिसलेचर असेम्बली द्वारा 'सर्टीफिकेट ऑव रिकग्निशन' से विभूषित किया गया।



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए
Receiving the decoration from the President

Shri Bhalu Mondhe

Shri Bhalu Mondhe is a famous photographer, painter, sculptor and the President of environmental NGO, The Nature Volunteers (TNV), Indore. He is a rare artist in India who simultaneously does photography, paintings and sculptures. He has devoted over four decades to the field of Art and Culture and has enriched the field.

2. Born on March 15, 1941, Shri Mondhe began his formal career as an artist and photographer with admission to a three-year course at the famous Dusseldorf Fine Art Academy, West Germany, in the year 1970. A highly creative artist, Shri Mondhe learnt his early lessons and got much needed exposure in Europe. He adopts a very individualistic method in his work.

3. Shri Mondhe's collection of varied works reveals an entire gamut of his aesthetic experiment. With scant regard for the 'Camera-eye' approach, he fearlessly indulges in an imaginative activity to construct a universe of his subconscious mind in his paintings and sculptures. He uses unconventional techniques to obtain unusual effects. Through his particularly different method what he achieves is a spontaneous, powerfully evocative combination of colors, lines and shapes. He has held his arts shows in Europe and America, besides top art galleries in India.

4. Shri Mondhe, besides having a keen sense for finer points of arts and nature, is also a restless environmentalist. His interests in high-taste interiors, garden, landscaping and organizing music concerts, art-camps, and exhibitions with a degree of sensitivity make him a rare all-rounder in the field of art and culture.

5. Shri Mondhe is a winner of many awards and citations in India and abroad. He was conferred with a 'Certificate of Recognition' by the California Legislature Assembly in 2008.

73